

আহ্বা: মিন্টেশিবাদ্রামণ বিভেন্নতি রূপ্তা (Writer : Maharajkumari Binodini Devi)

ന്**്ടന്** (SOLUTIONS)

टेंटहाणी लक्ष्म

## ः पार्य अर्था भार्दित र भुग

हिम्रिणटी = प्रमञ्जाग ही प्रजामिष्ठ

मण पार्य कार्य कार्य हाध्या हार्य हार्य

ग्रेप्य देश्व = इस्र देंष्ठ ले इप्रध्य

लुम्हर्म हेने च्या प्रत्या कराय चार्च महम अध्याप्रताय चार्च महम

ठ<u>ाभक</u>्तं भेम प्राप्तम = ठ<u>ाभक्तं</u> प्रक्रपाध्य

स्रेड ह॰त्रक ट॰का = प्याण एविकारक एगा।

दर् हण्ण ण°द्रम ह्या लम = क्रश्रहरू°<u>भण</u>

क्राम्य प्राचित्रकार व्यव्यक्त क्राप्त प्रविच्या प्राचित्रकार प्राचित

र्डिट्र का विश्व का अप्रति

ण्यास्त्रे = है = उच्चा

र्षण्या = इन्हें

रू४-र्देष = लेष त्र**ः**णागा र्देष

टेन्नगार = सिकि॰एड

र्धाम ह्या स्थाप काम हिन्द व्यव्या प्राप्त स्थाप काम हिन्द में

९॥ प्रा अध्या हिन्द्र हिन्द्र । अध्या हिन्द्र हिन्द्र । अध्या अध्या । अध्या । अध्या । अध्या । अध्या । अध्या ।

ത) र्षायाम केंद्रस्त समार्थे?

गोंद्र : गेंधभारिक क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्

ट) ल॰णप्रमेभी लेक्डली स्वभी व्यव्हार

॥ उमइ सहमर्ग कुणीणचन्त्र हुणीणचन्त्र ले निरुद्र्यान स्वाम्य

स) 'प्रज्ञहरू प्राधिक क्ष्या क्ष्य

गारेंच्च : ए। विकास हाण रूपको हिन्द एसि १२० लग्ने हे हे ए लिहि हाण के व्याप्त ।

गा) प्रकार सर्वाण्या होणा क्यांक प्रकार केंद्र ससेप्यांक स्वाप्त होणा होणा केंद्र के

"॥ दर्रू धिर जमर्रे पार्र्ज ॥ वर्र्ज भे

- लेक्सिक्र जर्द गिर्म भाष्य प्रमाण विषय भाष्य प्रमाण विषय भाष्य भ

गोड स्ट्रिक्ट प्रतिष्टिक के प्रतिष्ट हैं के प्रतिष्ट प्

ရှု အ

स्वा अवस्य अवस्य

गोंक्रः प्रकार प्रतान देणगाल दमराणि ऐस्वर प्रताल देश्वणस्त प्रतेष हिनेटी केलेंक, स्वान्त स्वानेष्ठ प्रतेष प्रतेष स्वानेष्ठ प्रतेष्ठ स्वानेष्ठ स्वानेष्ठ प्रतेष्ठ स्वानेष्ठ प्रतेष्ठ प

ന) प्रवाण प्रधाण प्याच प्रधाण प्रधाण प्रधाण प्रधाण प्रधाण प्रधाण प्रधाण प्रधाण प्रधा

॥ भिर्द्ध क्रियम पाणी क्रियम क्रियम मिन्नम्म दिव्यक्त क्रियम अध्याप्त अध्याप्त अध्याप्त विद्याप्त विद्यापत वि

ण्डेम प्रताप प

- ट) लग्गेत्रष्ठ स्वरूप प्रमन्न ग्रेप ल॰खएए४ स्वर्भ स्वर्भ रहेन ने क्रिक्र स्वरूप स्वरू
- हात्र प्रधास स्वतंत्र स्वतंत्
- स) प्रजित्व विश्वास स्वाप्त स
- गोंच्न : क्रेंडिंक त्रिक्ति क्रिक्ति क्रिक्ति
- गा) നख्युकात श्री हा स
  - 面) ചന് ਤੇੜਨਖਰ ट्रापिणिए ਨੁਖਨਾਜਾ ਜਨਾ ਜਦ ਜਨੇ ਵਟਰਣ ਨੇਪਰ ਜਨੇ ਹੈ ਦਿੰਦੇ ਦੇ ਸੰਗਰ ਜਦ ਸੰਗਰ ਜਦ ਸੰਗਰ ਜਨੇ ਹੈ ਜਨੇ ਹੈ
- ाणिशास्त्र । शास्त्र विस्तर्भ विदय्ण रिक्ष पार्थ पार्थ पार्थ विस्तर्भ विदय्ण विश्व पार्थ पार्य पार्थ पार्थ पार्थ पार्थ पार्थ पार्य पार्य पार्य पार्थ पार्थ पार्य पार्य पार्थ पार्य पार्य पार्य पार्य पार्य पार्य पार्य पार्य

स्टर, क्रमट्रत्विण्णेष्ट क्रक्र्य प्रेष्ट्र क्रम्प कर्मे क्रक्र्य क्रम्प कर्मे क्रम्प कर्मे क्रम्प कर्मे करिया कर्मे करिया कर्मे करिया क

തം काराया स्थाप प्रमान स्थाप प्रमान काराया है स्थाप प्रमान स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स

गोंद्र गोंद्र गोंद्र गोंद्र प्राप्त हिन्स विद्या पण पण पण पण पण मेंद्र शिक्ष गोंद्र शिक्ष गोंद्र ग

म्या प्रस्कृति होलम जावर्य भावाँग शिक्ष हैं कि हैं जिस उपार्य भावाँग जिस्सा उर्य भावां जिस्सा अर्थ भावां जित्र अर्थ भावां जित्य अर्थ भावां जित्य अर्थ भावां जित्य अर्थ भावां जित्य अर्थ भावां

ह्यत्ममम हिण्या एक प्राप्त क्ष्म प्राप्त क्ष्मम प्राप्त क्ष्मम हिण्या हिण्या

\_\_\_\_